⓪ - बोलियां
① मातृभाषा -
② मूल भाषा -
③ सांस्कृतिक भाषा
④ राष्ट्र भाषा
⑤ राज भाषा
⑥ अन्तर्राष्ट्रीय भाषा

हो गया है

① <u>मातृभाषा</u> :- सामान्यतया जिस भाषा को व्यक्ति अपने शिशु काल में अपने माता-पिता एवं अन्य सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों का अनुकरण करके सीखता है उसे उस व्यक्ति की मातृभाषा होती है। यह भाषा प्रथम भाषा या घर की भाषा के रूप में जानी जाती है।
जैसे- मगही, मैथिली, ~~हिन्दी~~, भोजपुरी इत्यादि।

② <u>मूलभाषा</u> ⇒ <u>Original Language</u> प्राचीन काल में बहुत कम ~~थी~~ भाषाएँ थी बाद में एक भाषा से अनेक भाषाओं का जन्म हुआ। भाषा विज्ञान में इसे ही मूल भाषा कहते हैं। उदाहरण के लिए यूरोपीय ~~भाषा~~ परिवारों की भाषाओं को ही ले लीजिए, इनकी मूल यूरोपीय भाषा थी।
जैसे- वैदिक ~~काल~~ संस्कृत से अनेक भाषाओं संस्कृत, भाषा, प्राकृत, सिंधि, गुजराती, पंजाबी, बंगाली, असामी हिन्दी, उड़िया इत्यादि भाषाओं का विकास हुआ यहाँ वैदिक संस्कृत मूल भाषा हुई।

③ <u>सांस्कृतिक भाषा</u> ⇒ <u>(Cultural Language)</u> जिस भाषा के साहित्य में किसी जाति अथवा राष्ट्र की मूल सभ्यता एवं संस्कृति विद्यमान होती है वह इस जाति अथवा राष्ट्र को सांस्कृतिक भाषा कही जाती है। जैसे- संस्कृत भाषा हिन्दु जाति और ~~की~~ भारत ~~की~~ राष्ट्र की सांस्कृतिक भाषा है।

इसके पहले - परिनिष्ठित भाषा, राज भाषा

(4) **राष्ट्र भाषा :-**
National Language

जो बहुसंख्यक लोगो की भाषा होती है

संसार में प्राय: सभी राष्ट्रो में अनेक भाषाओं का प्रयोग होता है इसमें दो एक भाषा ऐसी होती है जिसके साहित्य - में राष्ट्र के इतिहास सभ्यता एवं संस्कृति और आकांक्षाए सुरक्षित रहती है। उसे राष्ट्र की राष्ट्रीय भाषा कहते है।
जहां सिर्फ हिन्दी को राष्ट्र भाषा का स्थान प्राप्त है।

(5) ~~पहले है~~

(6) **अन्तर्राष्ट्रीय भाषा (International Language) :-** इस भाषा को विदेशी भाषा के नाम से भी जाना जाता है। एक राष्ट्र को दूसरे राष्ट्र से सम्बन्ध स्थापित करने के लिए भाषा की आवश्यकता पड़ती है अत: जिस भाषा के माध्यम से संसार के विभिन्न राष्ट्रीय विचारों का आदान-प्रदान करते है। उन्हे अन्तर्राष्ट्रीय या विदेशी भाषा कहते है।

जैसे :- अंग्रेजी भाषा को एक अन्तर्राष्ट्रीय भाषा होने का गौरव प्राप्त है।

—— : भाषा के क्षेत्र : —— हिन्दी भाषी

सबसे पहले उप देखा लेंगे भाषा बच्चों को फिर लिखवाया।

सबसे पहले Composition की Copy ले लिखवायेगा।

09/08/2019

हिन्दी भाषी क्षेत्र की सीमाएं बंगाली, उड़िया, तेलगू मराठी, पंजाबी आदि भाषाओं से घिरी हुई है। भाषा - वैज्ञानिक दृष्टि से इस विस्तृत क्षेत्र में -

① खड़ी बोली ② ब्रज भाषा ③ बंगारू ④ कन्नौजी ⑤ बुंदेली ⑥ अवधी ⑦ छत्तीसगढ़ी ⑧ बघेली बोलियाँ बोली जाती है। इनमें प्रथम पाँच पश्चिमी हिन्दी के अन्तर्गत गिनी जाती है और अंतिम तीन पूर्वी हिन्दी के अन्तर्गत आती है। इनमें ब्रज और अवधी में प्रभाव-शाली साहित्य पर्याप्त मात्रा में लिखा गया है।

आधुनिक भारतीय भाषाओं का विकास अपभ्रंशों से हुआ है। हिन्दी इन आधुनिक आर्य भाषाओं में एक प्रमुख भाषा है। यह शौरसेनी, अर्द्धमागधी, अपभ्रंशों से निकली सभी बोलियों में प्रमुख होने से 20वीं शताब्दी तक पहुँचते - पहुँचते प्रमुख साहित्यिक भाषा बन गयी। भाषाओं में आकृतिमूलक वर्गीकरण के अनुसार कहा जा सकता है कि आज की हिन्दी बहिर्मुखी वियोगात्मक भाषा है

भूतकाल में हिन्दी भाषा के लिए हिन्दी, हिन्दवी, हिन्दुस्तानी खड़ी बोली रेख्ता, उर्दू आदि। नामों का प्रयोग किया गया है इन नामों से इसके स्वरू

का आभास होता है। भौगोलिक दृष्टि से उत्तर में हिमालय से लेकर दक्षिण में नर्मदा तक हिन्दी क्षेत्र-भाग है। जो ~~उसकी भौगोलिक स्थिति ने इस क्षेत्र को पूर्वी हिन्दी तथा पश्चिमी हिन्दी क्षेत्र को पूर्वी हिन्दी पश्चिमी हिन्दी क्षेत्र को पूर्वी हिन्दी तथा पश्चिमी~~ हिन्दी क्षेत्रों में विभाजित किया है/ चौदहवीं शताब्दी में विन्ध्य क्षेत्र के दक्षिण और तमिलनाडु के उत्तर के भू-भाग में बहमनी वंश शासन था। इस क्षेत्र में तेलुगु कन्नड़ और मराठी भाषाएं बोली जाती थीं। इस क्षेत्र में 12वीं शताब्दी से ही हिन्दी, हिन्दवी के रूप में आकर हिन्दी 'दक्खिनी' नाम से चल रही थी। बहमनी वंश के शासन काल में तो इस क्षेत्र की भाषा 'दक्खिनी' के रूप में हिन्दी सामान्य जनता की भाषा बन चुकी थी/ सिंधु नदी की दूर के भू-भाग को यूनानियों ने इंडिया कहा क्योंकि सिंधु नदी को वे इण्डस कहते थे/ पारसियों ने इसे हिन्दी कहा क्योंकि वे 'स' को 'ह' कहते थे। हिन्दी शब्द भी इसी से आया है हिन्दी की भाषा हिन्दी कही गयी जिसे पहले उन्होंने हिन्दवी कहा था/ हिन्दी का वाक्य रचना शब्द भंडार, वर्णमाला ध्वनि आदि पर संस्कृत का स्पष्ट प्रभाव है। वर्तमान हिन्दी भाषा का क्षेत्र बड़ा ही व्यापक हो चला है। इसे निम्नलिखित भागों में बाँटा गया है।

① बिहारी भाषा :- बिहारी भाषा बंगला भाषा से काफी संबंध रखती है। यह पूर्वी उपशाखा के अन्तर्गत बंगला, उड़िया और आसामी की बहन लगती है। इसके अन्तर्गत निम्न बोलियां है।

> मैथिली, मगही, भोजपुरी, पूर्वी आदि। मैथिली के प्रसिद्ध कवि विद्यापति और भोजपुरी के बहुत बड़े प्रचारक भिखारी ठाकुर हुए।

पढाना है।

(2) पूर्वी हिन्दी :- अर्द्धमागधी, प्राकृत, के अपभ्रंश से पूर्वी हिन्दी निकली है। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस जैसे महाकाव्यों की रचना पूर्वी हिन्दी में ही की। दूसरी तीन बोलियां हैं। अवधी बघेली और छत्तीसगढ़ी। मलिक मोहम्मद जायसी ने अपनी प्रसिद्ध रचनाएँ इसी भाषा में लिखी है।

(3) पश्चिमी हिन्दी :- पूर्वी हिन्दी तो बाहरी और भीतरी दोनों शाखाओं की भाषाओं के मेल से बनी है परन्तु पश्चिमी हिन्दी का सम्बन्ध भीतरी शाखा से है।

→ यह राजस्थानी, गुजराती, और पंजाबी से सम्बन्ध रखती है। इस भाषा के कई भेद - हिन्दुस्तानी, ब्रज, कन्नौजी, बुंदेली, बाँगरू और दक्खिनी।

→ गंगा यमुना के बीच मध्यवर्ती प्रांत में और उसके दक्षिण दिल्ली से इटावे तक ब्रजभाषा बोली जाती है। गुड़गाँव और भरतपुर करोली और ग्वालियर तक ब्रजभाषा है। इस भाषा के कवियों में सूरदास और बिहारी लाल ज्यादा चर्चित हुए।

* कन्नौज, ब्रजभाषा से बहुत कुछ मिलती जुलती हैं। इटावा से इलाहाबाद तक इसके बोलने वाले हैं। अवध के हरदोई और उन्नाव में यही भाषा बोली जाती है।

* बुंदेली बुंदेलखण्ड की बोली है। झाँसी, जालौन, हमीरपुर और ग्वालियर के पूर्वी प्रांत, मध्य प्रदेश के दमोह, छत्तीसगढ़ के रायपुर, सिवनी, नरसिंहपुर आदि स्थानों की बोली बुंदेली है।

* छिंदवाड़ा और हुशंगाबाद के कुछ हिस्सों में भी इसका प्रचलन है। हिसार, झींद, रोहतक करनाल आदि जिला में बांगरू भाषा बोली जाती है।

* दक्षिण के मुसलमान जो हिन्दी बोलते हैं, उसका नाम दक्खिनी हिन्दी है। इसके बोलने वाले मुंबई, बड़ौदा, बरार, मध्यप्रदेश, कोचीन, कुर्ग, हैदराबाद, चेन्नई, मैसूर और ट्रावनकोर तक फैले हैं। इन क्षेत्रों के लोग मुझे या मुझको की जगह 'मेरे को' बोलते हैं।

* हिन्दुस्तानी भाषा के दो रूप हैं। पहला पाश्चिमी हिन्दी इसका तथा दूसरा साहित्यिक भाषा। पहली गंगा यमुना के बीच के जो भाग है उसके उत्तर में रुहेलखण्ड में और अम्बाला जिले के पूर्व में बोली जाती है। यह धीरे-धीरे पंजाबी में परिणत है (कालेन)। मेरठ के आस-पास और उसके कुछ उत्तर में यह भाषा अधिक विशुद्ध रूप में बोली जाती है।

* रुहेलखण्ड – कन्नौजी
* अम्बाला – पंजाबी

गुजराती, मराठी, मद्रासी, ~~गुजराती~~, नेपाली आदि भिन्न भाषाएं हैं। फिर भी ये ~~ही~~ लोग हिन्दी भाषा को समझ लेते हैं। हिन्दी भाषा में संस्कृत के अलावा फ्रेंच, जापानी, बर्मी, चीनी, अंग्रेजी, पुर्तगाली आदि अनेकानेक भाषाओं के शब्दों की भरमार है। अतैव इस भाषा का फैलाव बहुत तेजी से हुआ। यही कारण है कि आज यह राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त कर चुकी है।

PDF Created Using

Camera Scanner

Easily Scan documents & Generate PDF

GET IT ON Google Play

https://play.google.com/store/apps/details?id=photo.pdf.maker